MP Board Class 7th Notes Sanskrit Chapter 7 भोपालनगरम्

भोपालनगरम् हिन्दी अनुवाद

(सन्दीपः स्कूटरयानेन मार्गे गच्छन् सुनीलं पश्यति? ततः स्कूटरयानात् अवतीर्य सुनीलस्य समीपं गच्छति, पृच्छति च।)

सन्दीपः :
भो सुनील! त्वम् अत्र किं करोषि?

सुनीलः :
हे सन्दीप! अहम् अस्य सरोवरस्य सौन्दर्य पश्यामि।

सन्दीपः :
मित्र! अयं सरोवरः तु अस्माकं भोपालनगरस्य वैशिष्ट्यम् अस्ति।

सुनीलः :
किं कथयसि? अहं तु न जानामि। यतोऽहं अत्र भोपालनगरं प्रथमवारम् एव आगतः।

सन्दीपः :
यद्येवं तर्हि आगच्छ अहं त्वां भोपालनगरं दर्शयामि। पुरा "भोजपालः" इति भोपालनगरस्य नाम आसीत् । भोपालनगरं मध्यप्रदेशस्य राजधानी अस्ति। अस्य नगरस्य महत्वं प्राचीनकालादेव वर्तते। किं त्वं नौकाविहारं कर्तुम् इच्छसि?

अनुवाद :
(सन्दीप स्कूटर से मार्ग में जाते हुए सुनील को देखता है। उसके बाद स्कूटर से उतरकर सुनील के पास जाता है और पूछता है।)

सन्दीप :
हे सुनील! तुम यहाँ क्या करते हो?

सुनील :
हे सन्दीप! मैं इस सरोवर की सुन्दरता को देखता हूँ।

सन्दीप :
मित्र! यह सरोवर तो हमारे भोपाल नगर की विशेषता है।

सुनील :
क्या कहते हो? मैं तो नहीं जानता हूँ। क्योंकि मैं यहाँ भोपाल शहर में पहली बार ही आया हूँ।

सन्दीप :
यदि ऐसा है, तो आओ-मैं तुम्हें भोपाल शहर दिखाता हूँ। प्राचीन काल में भोपाल शहर का नाम 'भोजपाल' था। भोपाल नगर मध्य प्रदेश की राजधानी है। इस नगर का महत्त्व प्राचीन काल से ही है। क्या तुम नौका विहार करना चाहते हो?

सुनीलः :
आम, आगच्छ आवां नौकाविहारं कुर्वन्तावेव भोपालनगरस्य सौन्दर्यं पश्यावः।

सन्दीपः :
इदं नगरं सरोवराणां नगरं इति कथ्यते। अत्रस्थः विशालतम सरोवरः देशे एकः एव अस्ति। सरोवरे नौकाविहारः अस्य सौन्दर्य द्विगुणयति। वर्षाकाले तु नगरस्य हरीतिमां दृष्ट्वा नगरवासिनः पर्वतीयस्थानानि (हिलस्टेशन् इति) विस्मृत्य अत्रैव रमन्ते। अस्य नगरस्य प्राकृतिक सौन्दर्यं दर्शनीयम्। 'मयूर उद्यानम्', 'नेहरू उद्यानम्', चिनार उद्यानम्', 'बालोद्यानम्', 'वनविहारः' च नगरस्य प्राकृतिकशोभां संवर्धयन्ति।

सनीलः :
सन्दीप! साञ्ची, भोजपुरम, भीमबैटका इत्यादीनि ऐतिहासिकस्थानानि अस्य नगरस्य समीपे एव सन्ति।

सन्दीपः :
आम्, भोजपुरे विशालं शिवमन्दिरं अस्ति। साञ्चीस्तूपः तु विश्वप्रिसद्धः एव। भीमबेटकायां शैलचित्राणि सन्ति। एतानि स्थानानि दृष्ट्वा जनाः मुदिताः चकिताः च भवन्ति। ते दूरतः एवं अत्र आगच्छन्ति।

सुनीलः :
अन्यत् किम?

अनुवाद :
सुनील-हाँ आओ, हम दोनों नौका विहार करते हुए ही भोपाल नगर की सुन्दरता को देखें।

सन्दीप :
यह नगर सरोवरों का नगर कहा जाता है। यहाँ पर स्थित सबसे विशाल सरोवर देश में एक ही है। सरोवर में नौका विहार इसकी सुन्दरता को दोगुना कर देता है। बरसात के मौसम में तो नगर की हरियाली को देखकर नगर के रहने वाले लोग पर्वतीय स्थानों को भूलकर यहाँ ही रम जाते हैं। इस नगर का प्राकृतिक सौन्दर्य देखने योग्य है। मयूर उद्यान, नेहरू उद्यान, चिनार उद्यान, बालोद्यान और वन विहार तो नगर की प्राकृतिक शोभा को बढ़ा देते हैं।

सुनील :
सन्दीप! साँची, भोजपुर, भीमबेटका इत्यादि ऐतिहासिक स्थान इस नगर के समीप ही हैं।

सन्दीप :
हाँ, भोजपुर में विशाल शिव मन्दिर है। साँची के स्तूप तो विश्वप्रसिद्ध ही हैं। भीमबेटका में शैल चित्र हैं। इन सभी स्थानों को देखकर मनुष्य प्रसन्न और चकित हो जाते हैं। वे सभी दूर से ही यहाँ आते हैं।

सुनील :
दूसरे अन्य क्या हैं?

https://www.evidyarthi.in/

सन्दीपः :
भोपालनगरस्य द्वौ भागौ स्तः। नूतनभोपाल नगरम् अपरं च प्राचीनभोपालनगरम्। विधानसभाभवनं, लक्ष्मीनारायणमन्दिरं (बिरलामन्दिरं), सचिवालयः, मन्त्रालयश्च नूतनभोपालनगरे सन्ति। प्राचीनभोपालनगरे ताजुलमस्जिदः, मोतीमस्जिदः, नेवरीमन्दिरं, गुफामन्दिरम्, इत्यादयः सन्ति।

गुफामन्दिरे प्रतिवर्ष श्रावणमासे प्रत्येकसोमवारे मेलापकः भवति। ताजुलमस्जिदः एशिया महाद्वीपस्य विशालतमः मस्जिदः अस्ति। अत्र प्रतिवर्षं 'इज्तिमा' नामकं धार्मिक सम्मेलनं भवतिः यस्मिन् देशविदेशेभ्यः धार्मिकाः आगच्छन्ति।

प्राचीन भोपालनगरे आभूषणानां, धान्यानां, वस्त्राणां, पुस्तकानां च असंख्याः आपणाः सन्ति।

अनुवाद :
सन्दीप-भोपाल नगर के दो भाग हैं। नया भोपाल नगर तथा अन्य प्राचीन भोपाल नगर। विधानसभा भवन, लक्ष्मीनारायण मन्दिर (बिरला मन्दिर), सचिवालय, और मन्त्रालय नये भोपाल नगर में हैं। प्राचीन भोपाल नगर में ताजुल मस्जिद, मोती मस्जिद, नेवरी मन्दिर, गुफा मन्दिर इत्यादि हैं।

गुफा मन्दिर में प्रत्येक वर्ष सावन के महीने में प्रत्येक सोमवार के दिन मेला होता है। ताजुल मस्जिद एशिया महाद्वीप की सबसे विशाल मस्जिद है। यहाँ प्रतिवर्ष 'इज्तिमा' नामक धार्मिक सम्मेलन होता है जिसमें देश-विदेशों से धार्मिक लोग आते हैं।

प्राचीन भोपाल नगर में आभूषणों की, अनाजों की, वस्त्रों की और पुस्तकों की असंख्य दुकानें हैं।

सुनीलः :
सन्दीप! मम शिक्षक: मां 'भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स' इति विषये किमपि उक्तवान् तत् किम?

सन्दीपः :
उद्योगक्षेत्रेऽपि इदं नगरं प्रसिद्धम्। अस्मिन् नगरे एक महत् विद्युत्संयन्त्रं स्थापितम्। इदं संयन्त्रम् एव 'भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड' इति नाम्ना प्रसिद्धम् अस्ति। भोपालनगरस्य समीपे मण्डीदीपं स्थानं औद्योगिकनगरम् इति प्रसिद्धम् अस्ति।

भारतभवनम् अत्रस्थं विश्वप्रसिद्ध कलाकेन्द्रम् अस्ति। नेहरुक्रीडाङ्गणं नगरवासिनां क्रीडानुरागं दर्शयति। 'आञ्चलिकविज्ञानकेन्द्रम्' नगरस्य महत्वं सूचयति। इन्दिरागान्धिमानवसङ्ग्रहालयः अपि अत्र विद्यते।

प्रारम्भिकशिक्षायाः केन्द्रम् अपि अस्मिन् नगरे अस्ति। गान्धिनगरे 'राजाभोजवायुयान स्थानकम्' अपि अस्ति।
(सुनीलः सन्दीपः च भ्रमन्तौ तात्याटोपेनगरम् आगतौ)

अनुवाद :
सुनील-सन्दीप! मेरे शिक्षक ने मुझको भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स' इस विषय पर कुछ बतलाया था, वह क्या है?

सन्दीप :
उद्योग के क्षेत्र में भी यह नगर प्रसिद्ध है। इस नगर में एक विशाल विद्युत संयन्त्र स्थापित किया है। यही संयन्त्र 'भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड' नाम से प्रसिद्ध है। भोपाल नगर के पास मण्डी द्वीप स्थान औद्योगिक नगर नाम

से प्रसिद्ध है। 'भारत भवन' जो यहाँ स्थित है, वह विश्वप्रसिद्ध कला केन्द्र है। नेहरू क्रीड़ास्थल नगर के रहने वाले लोगों के खेल के प्रति अनुराग को दिखाता है। 'आञ्चलिक विज्ञान केन्द्र' नगर के महत्व को सूचित करता है। इन्दिरा गांधी मानव संग्रहालय भी यहाँ मौजूद है।

प्रारम्भिक शिक्षा का केन्द्र भी इस नगर में है। गांधीनगर में 'राजाभोज वायुयान' अड्डा भी है।

(सुनील और सन्दीप घूमते हुए तात्याटोपे नगर में आ जाते हैं।)

सुनीलः :
रे सन्दीप! इदं तु किमपि रोचकस्थानं दृश्यते।

सन्दीपः :
नगरस्य सर्वेषां प्रियं स्थान हट्टं च 'न्यूमार्केट' इति अस्ति।
अत्र अबालवृद्धाः स्वमनोरञ्जनार्थम् आवश्यकवस्तूनि क्रेतुं
च आगच्छन्ति। आवाम् अपि मधुराणि रसगोलकानि क्रीत्वा खादावः।

सुनीलः :
शोभनम् अस्ति भोपालनगरम्।

अनुवाद :
सुनीलः :
अरे सन्दीप। यह स्थान तो कुछ रोचक प्रतीत होता है।

सन्दीप :
नगर का सबसे प्रिय स्थान और बाजार (हाट) 'न्यूमार्केट' है। यहाँ बालक से लेकर बूढ़े व्यक्ति तक अपने मनोरंजन के लिए और अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ खरीदने के लिए आते हैं। हम दोनों भी मीठे रसगुल्ले खरीदकर जाएँगे।

सुनील :
भोपालनगर (अति) सुन्दर है।

भोपालनगरम् शब्दार्थाः

स्कूटरयानेन = स्कूटर से। वैशिष्ट्यम् = विशेषता। कुर्वन्नेव = करते हुए ही। विस्मृत्य = भूलकर। उक्तवान् = कहा था। वायुयानस्थानकम् = हवाई अड्डा। अवतीर्य = उतरकर। दर्शयामि = दिखाता हूँ। अत्रस्थः = यहाँ का। इत्थम् = ऐसा। रसगोलकानि = रसगुल्ले। यद्येवं = यदि ऐसा है। द्विगुणयति = दोगुना कर देता है।

---

https://www.evidyarthi.in/